6 साल पहले कैग ने बता दिया था कि पानी में बैक्टीरिया मौजूद हैं

- कैग ने एडीबी कर्ज पर इंदौर, भोपाल में पानी प्रबंधन पर दी थी रिपोर्ट

नव भारत न्यूज

इंदौर। इंदौर के भागीरथपुरा में 16 लोगों की दूषित पानी से मौत हो गई। इसको लेकर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (ष्टत्र) ने 2019 में भोपाल और इंदौर के पानी प्रबंधन पर रिपोर्ट जारी की थी। रिपोर्ट में दोनों शहरों में पीने का दूषित सप्लाई करने का बताया गया था। कैग ने दूषित पानी को ठीक करने के सुझाव भी दिए थे।

इंदौर में गंदा पानी पीने से अब तक 16 लोगों की जान जाने के बाद कैग रिपोर्ट की चर्चा का खुलासा हुआ है। बताया जा रहा है कि मध्य प्रदेश सरकार ने 2004 में एशियन विकास बैंक (ष्टक्र) से चार बड़े शहरों भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर में पानी प्रबंधन के लिए 200 मिलियन डॉलर यानि 906.4 करोड़ रुपए का कर्ज 25 साल के लिए लिया था। यह पैसा शहरों में पानी की आपूर्ति को बढ़ाने और उसकी गुणवत्ता सुधारने के लिए था। प्रोजेक्ट के अनुसार शहर की जनता को पर्याप्त और साफ पानी मुहैया कराने का लक्ष्य रखा गया था।

मगर उक्त पैसे का क्या काम हुआ ? यह कैग ने अपनी रिपोर्ट में खुलासा किया है कि दोनों शहरों (इंदौर - भोपाल) में गंभीर कमियों के साथ पानी के लिए कर्ज का पैसा भ्रष्टाचार भेंट चढ़ गया है। कर्ज़ लेने के लगभग 15 साल बाद भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (ष्टत्र) ने 2019 में भोपाल और इंदौर के पानी प्रबंधन पर रिपोर्ट जारी की।

इंदौर और भोपाल में सप्लाई किए जा रहे गंदे और दूषित पानी की बात ष्टत्र ने 2019 में ही बता दी थी। इंदौर के 5.33 लाख घरों को दूषित पानी सप्लाय करने का बता दिया था। साथ ही उसे ठीक करने के सुझाव भी दिए थे। मगर रिपोर्ट पर किसी भी परिषद ने ध्यान नहीं दिया । प्रोजेक्ट का काम ठीक से नही होने की रिपोर्ट आने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई ।

भोपाल और इंदौर के पानी प्रबंधन पर सवाल उठाए

- इंदौर में सिर्फ चार जोनों और भोपाल में सिर्फ पांच जोनों में रोजाना पानी पहुंचता है।
- दोनों शहरों के 9.41 लाख परिवारों में से सिर्फ 5.30 लाख को नल कनेक्शन मिले हैं।
- रिसाव रोकने कि शिकायत पर नगर निगम 22 से 182 दिन लगाता हैं। मतलब शिकायत पर छह महीने में भी सुनवाई नहीं होती।
- 2013 से 2018 के बीच 4,481 पानी के नमूने लिए गए थे, पानी के नमूनों में भौतिक, रासायनिक जीवाणु परीक्षण में मिले थे ,जो पीने लायक नहीं पाए गए।रिकॉर्ड से पता नहीं चला कि नगर निगम ने क्या कार्रवाई की।
- स्वतंत्र जांच में 54 नमूनों में से 10 खराब पाए गए थे। उनमें गंदगी और मल कोलिफॉर्म था। इससे भोपाल के 3.62 लाख और इंदौर के 5.33 लाख यानी कुल 8.95 लाख लोगों को गंदा पानी सप्लाई किया जा रहा था।
- स्वास्थ्य विभाग ने इस दौरान 5.45 लाख जलजनित बीमारियों के मामले बताए थे।
- गैर-राजस्व पानी 30 से 70 प्रतिशत तक है। कोई नहीं जानता कि यह पानी कहां जा रहा है। पानी का नियमित ऑडिट न होने पर बर्बादी का पता नही लगाया गया।
- पानी का टैरिफ की वसूली नहीं हो रही। दोनों शहरों में 470 करोड़ रुपए बकाया हैं।
- भोपाल में 9-20 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन (एलपीसीडी) और इंदौर में 36-62 एलपीसीडी पानी मिल रहा है। ओवरहेड टैंक नियमित साफ नहीं किए जाने की बात भी कही गई थी।

भाजपा-कांग्रेस कार्यकर्ताओं में घमासान, धक्का-मुक्की

- पूर्व मंत्री वर्मा पर चप्पल फेंकी
- दोनों पार्टी के कार्यकर्ता आमने-सामने
- जमकर नारेबाजी की, पुलिस कार्रवाई का विरोध

नव भारत न्यूज

इंदौर. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने भागीरथपुरा हादसे को लेकर वरिष्ठ नेताओं की कमेटी को जांच करने का कहा था. आज कमेटी के सदस्य दिन में मृतक के परिजनों एक पीड़ितों से मिलने के साथ स्थिति का जायजा लेने पहुंचे थे. उसी समय भाजपा के लोगों ने कांग्रेस नेताओं को मिलने से रोका और काले झंडे दिखाए. इस दौरान दोनों पार्टी के कार्यकर्ता आमने सामने आकर नारेबाजी करने लगे. दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच धक्का मुक्की भी हुई. खूब घमासान मचा.

कांग्रेस नेता सज्जन वर्मा, विधायक महेश परमार, प्रताप ग्रेवाल प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बौरासी, शहर अध्यक्ष चिंटू चौकसे, युवा कांग्रेस अध्यक्ष अमित पटेल सहित सैकड़ों कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता भागीरथपुरा पहुंचे थे. दूषित पानी से 16 लोगों के मौत और सैकड़ों की संख्या में पीड़ित से मिलकर संवेदना व्यक्त करने जा रहे थे. इसी दरमियान भाजपा के कुछ नेता महिलाओं के साथ आकर नारेबाजी करने लगे और काले झंडे दिखाए. कांग्रेस नेता सज्जन वर्मा, विधायक महेश परमार, प्रताप ग्रेवाल को भागीरथपुरा में जाने से रोकने लगे. इसके बावजूद कांग्रेस नेता एक मृतक के घर संवेदना व्यक्त करने पहुंच गए. पीड़ित परिवार से मिलकर आने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेता सज्जन वर्मा के साथ धक्का मुक्की शुरू कर दी. कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी भाजपा, कैलाश विजयवर्गीय, महापौर के खिलाफ नारेबाजी की. इस दौरान भाजपा की ओर से वर्मा पर जूता चप्पल भी फेंके गए. नारेबाजी और धक्का मुक्की का दौर करीब आधे घंटे से ज्यादा चला. इस दौरान पुलिस एक बार फिर भाजपाइयों के सामने असहाय दिखी. पुलिस ने हंगामा कर रहे भाजपा

के लोगो को हटाने की बजाय कांग्रेसियों को मिलने से रोका. मौके पर मौजूद कांग्रेस नेताओ ने पुलिस की कार्रवाई का विरोध भी किया.

गिरफ्तार कर भेजा जेल-कांग्रेस द्वारा विरोध करने पर पुलिस ने सज्जन वर्मा, महेश परमार, प्रताप ग्रेवाल को गिरफ्तार कर गाड़ी में बैठा लिया. इसके बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुलिस कारवाई का और ज्यादा विरोध किया तो शहर अध्यक्ष चिंटू चौकसे, अमित पटेल, रीना बौरासी, सीमा सोलंकी, कुणाल सोलंकी, राजेश चौकसे, गिरधर नागर, विनय बाकलीवाल, स्वप्निल कामले, दीपक मलोरिया, राजा चौकसे, विनोद चौकसे सहित कई कार्यकर्ता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया.

कांग्रेसियों ने जहरीले पानी से मरने वालों को जेल में दी श्रद्धांजलि

भागीरथपुरा में मौत होने और पीड़ितों के घर मिलने पहुंचे कांग्रेस नेताओ को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. कांग्रेसियों ने जेल परिसर में ही भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से मृत 16 लोगों को श्रद्धांजलि दी. कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री सज्जन वर्मा, विधायक महेश परमार, प्रताप ग्रेवाल, प्रदेश सह प्रभारी उषा नायडू, प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बौरासी, प्रदेश सेवादल अध्यक्ष अविनाश भार्गव,शहर अध्यक्ष चिंटू चौकसे, युवा कांग्रेस अध्यक्ष अमित पटेल, पार्षद राजू भदौरिया, सीमा सोलंकी, कुणाल सोलंकी, राजेश चौकसे, विनय बाकलीवाल, गिरधर नागर, प्रमोद द्विवेदी, अमन बजाज, साक्षी शुक्ला, सदाशिव यादव, महेश यादव, राजा चौकसे, विनोद चौकसे, अमित चौरसिया, गिरीश जोशी, अमीन अल खान सूरी, मधुसूदन भालिका, सहित सैंकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे. जेल में पुलिस ने 55 लोगों की गिरफ्तारी बताई है, जो रजिस्टर में नाम लिखे गए थे. वैसे सेंट्रल जेल में 200 सौ से ज्यादा कांग्रेसी मौजूद थे.

अधिकारियों पर दर्ज हो मुकदमा : वर्मा

भागीरथपुरा पीड़ितों से मिलने और स्थिति का जायजा लेने पर सज्जन वर्मा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि अधिकारियों को हटाने से कम नही चलेगा. 16 लोगों की मौत के जिम्मेदार अधिकारियों पर हत्या का मुकदमा दर्ज होना चाहिए. आज भाजपा की सरकार और अधिकारियों के कारण इंदौर बदनाम हुआ है. इसके लिए पूरी भाजपा दोषी और जिम्मेदार है. आज नगर निगम द्वारा जहरीला पानी सप्लाई करने से शहर में हजारों लोग बीमार पड़े हुए है और 16 लोगों की मौत का जिम्मेदार भ्रष्ट और लापरवाह अधिकारियों के साथ भाजपा के सभी पद पर बैठे लोग जिम्मेदार और दोषी हैं.

भागीरथपुरा में हालात पूरी तरह काबू में नहीं, अब भी 20 मरीज आईसीयू में

- कब थमेगा दूषित पानी का कहर..?
- बोरिंग बंद कर डाली गई दवाई, नर्मदा जल पर उठे सवाल, टैंकरों से हो रही सप्लाई

नव भारत न्यूज

इंदौर. भागीरथपुरा में दूषित पानी से फैली उल्टी दस्त की बीमारी पर काबू पाने के दावों के बीच हालात अभी सामान्य नहीं हो पाए हैं. अस्पतालों में अब भी 20 मरीज आईसीयू में भर्ती हैं, जबकि 149 मरीजों का इलाज विभिन्न अस्पतालों में जारी है. वहीं अब तक मृतकों की संख्या 16 सामने आ चुकी है. हालांकि राहत की बात यह रही कि 6 मरीजों की हालत में सुधार होने पर उन्हें आईसीयू से बाहर शिफ्ट किया है. वहीं संक्रमण की चेन तोड़ने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने पूरे क्षेत्र में बड़े स्तर पर फील्ड ऑपरेशन शुरू कर रखा है.

स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित इलाके में 16 फील्ड टीमें तैनात की हैं, जिनमें मेडिकल और नर्सिंग अधिकारियों के साथ आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सुपरवाइजर और एनजीओ के सदस्य शामिल हैं. टीमों ने रिंग सर्वे और फॉलोअप सर्वे के तहत 5079 घरों तक पहुंचकर 25 हजार से ज्यादा लोगों की जांच की. इस दौरान 65 लोगों में हल्के लक्षण पाए गए, जिन्हें मौके पर ही दवा दी गई, जबकि 429 पुराने मरीजों का फॉलोअप किया. 15 मरीजों को ओपीडी से अस्पताल रेफर किया. संक्रमण की रोकथाम के लिए घर घर क्लोरीवेट ड्रॉप वितरित किए जा रहे हैं. मरीजों और स्वस्थ हो चुके लोगों को दवाओं का पूरा डोज लेने की सख्त समझाइश दी जा रही है, वहीं धात्री माताओं को छह माह तक बच्चों को केवल मां का दूध पिलाने के निर्देश दिए हैं. हालात की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर ने स्वयं भागीरथपुरा पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया. उन्होंने क्षेत्र में लोगों को बांटे जा रहे पानी को हाथ में लेकर चखकर उसकी गुणवत्ता जांची. प्रशासन के अनुसार सभी बोरिंगों में दवा डाली गई है, इसी कारण एहतियातन बोरिंगों को करीब आठ घंटे तक बंद रखा गया. इसके बावजूद स्थानीय लोगों में नर्मदा लाइन से मिलने वाले पानी को लेकर भरोसा कमजोर पड़ा है और लोग अब भी आशंकित हैं. कलेक्टर के निर्देश पर क्षेत्र में पांच एम्बुलेंस तैनात की गई हैं और 24 घंटे डॉक्टरों की ड्यूटी लगाई गई है. मरीजों को एमवाय अस्पताल, अरविंदो अस्पताल और बच्चों को चाचा नेहरू अस्पताल में रेफर किया जा रहा है. निजी अस्पतालों में इलाज कराने वाले मरीजों को भी निःशुल्क जांच, उपचार और दवाएं देने के निर्देश दिए हैं. इसके साथ ही अन्य जिलों से एपिडिमियोलॉजिस्ट, शिशु रोग विशेषज्ञ और मेडिसिन विशेषज्ञों को भी इंदौर बुलाया है. मिशन संचालक ने भी प्रभावित क्षेत्र और शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर इलाज, रेफरल सिस्टम और दवाओं की उपलब्धता की समीक्षा की. अस्पतालों में कुल 354 मरीज भर्ती किए जा चुके हैं, जिनमें से 205 मरीज स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हो चुके हैं, लेकिन अब भी 20 मरीजों का आईसीयू में होना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है.

48 घंटे में दूषित पानी की शिकायत होगी दूरः महापौर

नव भारत न्यूज

इंदौर. भागीरथपुरा घटना के बाद शहर में दूषित पानी को लेकर

- दूषित पानी को लेकर पीएचई कार्यालय में बैठक
- पुरानी लाइनों का 7 दिन में सर्वे किया जाए : कलेक्टर

पीएचई कार्यालय में विशेष बैठक हुई. बैठक में जल संसाधन मंत्री, महापौर, कलेक्टर और नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे. बैठक में दूषित पानी की शिकायत का तुरंत समाधान करने के लिए अधिकारियों के बीच कार्य विभाजन और 7 दिन में शहर की सभी पुरानी लाइनों का सर्वे प्राथमिकता पर करने का निर्णय लिया गया है.

आज मूसाखेड़ी स्थित पीएचई कार्यालय पर मुख्यमंत्री के निर्देश पर शहर की जलप्रदाय व्यवस्था और शिकायतों को लेकर अहम बैठक हुई. बैठक में शहर की दूषित पानी की शिकायत और पुरानी लाइनों का सर्वे करने के लिए क्षेत्र वार ड्राइंग बनाए जाने का निर्णय लिया गया. साथ सीएम हेल्प लाइन और निगम के 311 एप पर प्राप्त शिकायतों का तुरंत समाधान करने और प्राथमिकता से कार्य करने की रणनीति बनाई है. साथ ही पूरे शहर में दूषित पानी को लेकर रिंग सर्वे करने पर सहमति जताई गई है. बैठक में जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट, अभिषेक शर्मा बबलू, नगर निगम के सभी अपर आयुक्त और ड्रेनेज और जलप्रदाय से संबंधित अधिकारी मौजूद थे.

जल्द स्थिति कंट्रोल कर ली जाएगी: महापौर

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि भागीरथपुरा के घटना में हमारी सभी परिवारों के साथ संवेदना है.

शिकायत पर तुरंत कार्रवाई प्राथमिकता : कलेक्टर

कलेक्टर-कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा कि आज मुख्यमंत्री के निर्देश पर पूरे शहर में 7 दिन में पुरानी लाइनों का सर्वे शुरू कर रिपोर्ट तैयार करने का निर्णय लिया गया. साथ ही भागीरथपुरा में रिंग सर्वे के साथ शहर में सीएम हेल्पलाइन और 311 एप की शिकायत पर तुरंत कार्रवाई करने की प्राथमिकता तय की है.

पानी की जांच के लिए कोलकाता से आया वैज्ञानिकों का दल

इंदौर. शहर के भागीरथपुरा दूषित जल से फैली बीमारी को लेकर अब राष्ट्रीय स्तर के स्वास्थ्य संस्थानों को भी सक्रिय कर दिया गया है. एमजीएम मेडिकल कॉलेज की प्रारंभिक जांच में पानी के सैंपल में ई-कोलाई और शिगेला जैसे अत्यंत घातक बैक्टीरिया की पुष्टि होते ही मामला गंभीर हो गया है. दूषित पानी की गहन जांच करने के लिए कोलकाता स्थित नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ बैक्टीरियोलॉजी विशेषज्ञों का दल आया है. यह दल भागीरथपुरा क्षेत्र से सीधे पानी के सैंपल लेकर बैक्टीरिया की जांच करेगा, ताकि संक्रमण के स्रोत और फैलाव की पूरी कड़ी का पता लगाया

जा सके.

शनिवार को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की टीम भी इंदौर पहुंची. मिशन की एमडी डॉक्टर ने चाचा नेहरू अस्पताल, एमवाय अस्पताल और भागीरथपुरा स्थित स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया. उन्होंने अस्पतालों में भर्ती मरीजों से सीधे संवाद कर उनके इलाज की स्थिति जानी और ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों से उपचार प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी ली. निरीक्षण के दौरान स्टाफ की उपलब्धता, इलाज की गुणवत्ता, रेफरल मैकेनिज्म, दवाइयों का स्टॉक और रिकॉर्ड संधारण की भी बारीकी से समीक्षा की गई. डॉ. सिडाना ने इलाज कर रहे चिकित्सकों से यह भी स्पष्ट रूप से पूछा कि मरीजों को कौन-सी दवा, किस डोज में और कितनी मात्रा में दी जा रही है. उन्होंने डॉक्टरों को निर्देश दिए कि मरीजों को केवल ओआरएस पीने की सलाह देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह स्पष्ट रूप से बताया जाए कि ओआरएस हमेशा उबले हुए पानी में ही घोलकर पीना है, ताकि संक्रमण का खतरा दोबारा न बने.

कलेक्टर वर्मा पहुंचे मौके पर

भागीरथपुरा क्षेत्र में रिंग सर्वे और फॉलोअप सर्वे की स्थिति का जायजा लेने कलेक्टर शिवम वर्मा मौके पर पहुंचे. उन्होंने स्वास्थ्य विभाग द्वारा की जा रही गतिविधियों की समीक्षा की, स्थानीय नागरिकों से बातचीत की. नागरिकों से स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने की समझाइश दी. कलेक्टर ने बताया कि स्वयंसेवी संस्थाओं के 200 से अधिक सदस्यों के माध्यम से रिंग सर्वे कराया जा रहा है, ताकि हर प्रभावित परिवार तक समय पर चिकित्सा सहायता पहुंच सके.

दिन भर में 80 ट्यूबबेल्स का क्लोरीनेशन, संभागायुक्त पहुंचे क्षेत्र में

- मैसिव रिंग सर्व कार्य की समीक्षा

इंदौर. संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े शनिवार सुबह को भी जिला प्रशासन, नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग द्वारा भागीरथपुरा क्षेत्र में किये गए मैसिव रिंग सर्वे कार्य की समीक्षा की. समीक्षा बैठक में निगम और स्वास्थ्य विभाग के द्वारा किये गये संपूर्ण कार्य की जानकारी ली.

उन्होंने बताया कि दिन भर में 80 से अधिक ट्यूबेल का क्लोरीनेशन किया है और उसका लगातार टेस्टिंग किया जाएगा। क्षेत्र में जब तक सेफ वॉटर नहीं बनता तब तक क्षेत्र में जल सप्लाई नहीं किया जाएगा. साथ ही

भागीरथपुरा में कोलकता और भोपाल की टीम पहुंची है. उन्होंने बताया कि क्या कारण है उसकी पूरी जांच करके वैज्ञानिक रिपोर्ट हमारे सामने आ जायेगी? उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए भी पर्याप्त प्रबंधन प्रारम्भ किये गए है. इसके अलावा जो भी मरीज है उनकी मॉनिरिंग के लिये टीम लगाई गई है. मरीजों को अच्छे अस्पताल में शिफ्ट भी कर रहे है. बैठक में संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे.

भ्रमण कर पानी की जानकारी ली

समीक्षा बैठक के पश्चात सम्भागायुक्त अधिकारियों के अमले के साथ भागीरथपुरा क्षेत्र का भी भ्रमण कर पानी की पुनः जानकारी ली. इसके अलावा पानी की टंकी का अवलोकन करते हुए आवश्यक जांच भी की. इस दौरान कलेक्टर शिवम वर्मा, नवागत नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल, अपर आयुक्त, आशीष कुमार पाठक, आकाश सिंह, प्रखर सिंह, स्मार्ट सिटी के सीईओ अर्थ जैन, सीएमएचओ डॉ. माधव हासनानी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे.